

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ १ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ २ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ६ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ८ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ९ ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ १० ॥

सुत्रिवा १ नमामि ताव कृत्रि (श ४४) श्री ली ॥ प्रागर्तव वि
तालज नि ॥ मधमममहाति कतकयाजिन यवेविदक
वाधिय १ अयप्र (मयायनिठ कय ववन यवेवर्क य
जिनवा यियात्र ॥ ५० ॥ नमामि मय वेव वृध विष्य ४२ विष्य
विष्यजिन विष्यरुतय के मय नि १ अय दियानया
परुक्ति यत्रिमानसा रुतुतय निमित्त येन धातुतय ॥ ५१ ॥

मानवदनस्य या उयदियजाड यदीयजानुदानी १ ४४
गमजाड यदीयवीविदि गरुवन वाड यदीयणी ४४
मुयत्र ४४ ॥ ५२ ॥ दिप्रद जयानयात्र धिप्रयात्रिय स
के अकादलव वियात्र १ अयजाड दिविसायके यक
मनिके सुमहा धिनि विप्रव दयक्ति ॥ ५३ ॥ गुप्रवत्र
हनिवत्रसं रगनियप्रितावना मनिके सुमहदयय

मयप्रियुजा श्यनवयप्रितायथिसकयप्रियुजिप्र नवस
वप्रस्यनुने ॥ १ ॥ प्रागयातममंति ॥ गालजति ॥ अति
ल अनलजलजानुवमाभ मप्रमलुलवकयाया १ व
जयजलजलजालसयप्र यप्रि ॥ तदिहप्रवदप्रयि
या ॥ ५ ॥ उमप्रप्रयिया ॥ सुप्रयप्र ॥ अतिगनह
प्रवदप्रयिया ॥ वप्रवावाही अतिगतससप्रवदप्र

यिया ॥ ५ ॥ क गिसवीलविल श्वप्रजदिअहि ॥ तदिनहि
अरुसम ॥ न १ अनरुतहाव वजयादहादेवी म
प्रतिवयनसहाव ॥ ५ ॥ गिरुवननवप्रक प्रायतनाला
गिरुवननवप्रक विप्रविप्रा १ गिरुवननवप्रक नवन
दयसाविप्र रयभाप्रगतनसहाव ॥ ५ ॥ अदिनिहाम
नगुप्र वायनुना गकादि गवाहावाहाव १ अनामप्र

एतद्यथ न नकादि (ग) वा रुलिया म्पक काला ॥ १ ॥
वागललिन ॥ गालज नि ॥ अनरुप नथ ना वै का प्रता
व नत्त प्रय विलि न विविगु क न श १ डं आहं का प्रव
जाम् न म द के सक म (म) धि नं ज्ञानाम् न म य ॥ २ ॥
व दाम् न म स वा धि विरु ल दाय र्क स वै जि न वा यि न स रु न

कल श १ ज ग न म प्र (म) धि नं इत ल क प्र (म) रु व सं सा
प्र ना स न विल क प्र य ॥ ३ ॥ व उ य प्र मा न म य ग ल्थ म्प
म य के श म्प (म) का यि न य वै यि य रु १ हं का प्र म रु य
थ म्प ग व द न व उ स म्प वि न वि या के कल श ॥ ४ ॥ य न
म ल्थ क प्र न य प्र य ना र्क आ क रु म्प दायि नि ज ल प्र
य १ म टि नि सा ध म्प व द व ना व के ज्ञान स व मा नि

हृदि ज। की प्रदी ॥ ४४ ॥ या यादि मावन दात यव शल
शमय चक्रीयव सित विमद कलश १ साया या गद विरु
य वाधिविरु प्रय समय सतव ज्ञान वकु मका रु ने ॥
४॥ ३ ॥ या ग नान ॥ प्रक व द्वा नि नि प्राय न स ॥ श्री १ ॥
या द श न अ रु न नु कि प्र (६) ॥ ४५ ॥ नु द्वा द वी वा प्र नि
मा म की द वी १ अ ग न यु मा हा दि प्र मय न सूर्य (ग) ॥ ४६

॥ आ ग म व द य या न व द्वा न १ या ग व र्मा दी या गु न
डय द (४) ॥ ४७ ॥ य के व द्वा न म के यि स्र प्र य क नु के के १
म के अ या गि नि ली या रु प्र व रु प्र व ॥ ४८ ॥ स न गु प्र व
(६) शि प्र ग न व प्रिया १ न न यि वा क व ज स या स व स
प्र यी ॥ ४९ ॥ ना ग न व वी ॥ ना ल ज नि ॥ (ग) द द रु न के
न स्र प्र य १ य के मि या प्र स य के श म प्री रु जि या ॥ ५०

॥ तु क द व लि प्राय वि ह व न वि प्र १ वि प्र म स्ता य क स म य
न न्द ॥ ५५ ॥ वि प्र वि प्र ध्य प्र स क ज्ञा न न्द १ क प्र क म प्र म न
ह य यान न्द ॥ ५६ ॥ य क व द य क म (न्य ध प्र य १ द
न वा स प्र न प्र य म दि न डी दे या ॥ ५७ ॥ डं आ १ डी डी (म
ध न क प्रि न १ उ म प्र यं ध नि वि प्र मा न न्द ॥ ॥
॥ १ ॥ ना ग म धू म न । ना ल उ नि ॥ य री वा क वि द वी क प्र

व द वी द न नि १ स य प्र स प्र स प्र वं दि त प्र व न ॥ ५८ ॥
॥ म र ग व नि या दू क म प्र म हि व नि त न ड प्र म न म
का प्र । का ल मा ल आ त प्र द वि रु वि त ना य प्र य ल ड ला
१ वि नि वि नि वि न य वि न य नि नि न ॥ ५९ ॥ क प्र नि य य
प्र म ल मा न वि रु वि ना १ क (न्य ड व दार्ग धा प्र म क क (१ ॥
॥ ६० ॥ सि प्र सि न्य प्र या या व ना य स म प्र गी ता १ क लु चि क

थयत्रिभुवनगह्वरत्रिभुवन॥५॥वाधत्रिभुवनवाधयुक्तोत्तम
॥नयनिदानयगिरिनिद्रासुप्तयुक्त॥५॥वृद्धगिरिसुप्तययः
दिभुक्तिगगनगुह्यश्वाधवावितावनयोत्रियत्रिभुवनमिद
नवकवर्गनाहं॥३१॥वागना॥काशिवर्गधमव
त्रिभुवनमाशुभनदगुह्यविभुवनलिना॥५॥अनन्तमरु
जिज्ञासायकवर्गयाशुभयिभुवनलिनिद्रासुप्तययः

द ॥ **क** ॥ गंगाजमुना नुदू रु नि १ सा विवत्र विडा डि गगद
वात्र ॥ **क** ॥ **द** ॥ दि (गर्व) डा प्र वि अरु (ग) १ ग ग हा डि दव
सा अय व रु द्वा प्र ॥ **क** ॥ यवन य व अ शि व, उ क क प्र व
अ १ वि व वि न क न ना दा प्र क मि द्वा ॥ ३२ ॥ वा ग र व
वी गंगा ज मु नि ॥ वि नि प्रा य न, व उ व व क वि द्वा वा १ व वि
हा मि वा यि या वा यो व थ वात्र ॥ **क** ॥ हा म हा म क प्रे या

हा म न रु वी मा सा १ वा ग (व) व मा रु न, अ दि व क दि व
॥ **क** ॥ वा म द दि हा क न रु वा या णी १ क शि व डा न व, आ
रु नि दि या व ॥ **क** ॥ य हा द ६ ड या शि व ४ व ज, व ज य व
न द न, वि स र व व व ॥ **क** ॥ क र्वा या वा व न, अ र न व
स म य १ क व रु य नि रु म रु स हा म ॥ ३३ ॥ वा ग र व
। गंगा ज मु ना ॥ य र य र य वा क, लि, स य व स हा क व, उ

[illegible][illegible]

भासा वज्रवाक्का हा आलि गागा ॥ कु ॥ हं हं हं हं हं हं
लना मायसस्य साभधिर्यव १ ह न्य आलि गहा क्यनउ
अद्वयसताव नावयिसमयवाया ॥ कु ॥ कृति स घ व ग
जवर्मगिहर वा कयगिउनव हं न हं गिगा १ माभयवि
नकयावख हं (मी) याहायव हं व द्वा धात्रं य हं ना ॥ कु ॥ य व
जिन वयमकटजा हं कन वउमडा आरालन रु धि ता १ आ
लिका लिदृशि आलि र वायचि या युवमनिवासन रु द्वा न

न ॥ कु ॥ नवहालमायासमहो समय दिव्यवन्दु निनिय
वृहाहिया १ उयमउमभायु उययिसव हं गवन्धियवमा
दिउडागागा ॥ १ ॥ यागवितास ॥ गिदलकमयवनकसमय
संग मधकायवृव वि १ १ १ विव्या द्वा यव सगमखदवी
मदुह माययायिता ॥ कु ॥ नमामिनेवात्मा गिउवनमाता व
कुवायवीछा मगसुस १ १ १ यवसूयासूववं न्दिनवय (ह) अनग
यदि सिद्धि वलदुवाता ॥ कु ॥ वन्दन वय नन्दन वय व न गव

समयालिजातवन २ विष्णुगंगाममवागमनितीत्तं अन्नग
गाथसुद्धव न ॥ १ ॥ अथ रौप्यवज्र वृजागाद्यादवी
अन्नगदवासुवद्धं गुयात्ता १ अथ मदारयद्वितानिचः
वायुव अन्नगदधामिचवायुव ॥ १ ॥ विष्णुवायितताः
वृक्षादवी अथयनिचजनजातिमय १ अन्निमतसुखरुः
लदायादिदवी अथमज्जवमउ इयायसवनागति ॥ १ ॥
वागमधूमत ॥ तालद्वय ॥ वज्रध्वयैववृद्धमनिव

ववाय गजमासनयुयसमूदा १ मधुलसुगसंयाथना सा
अलिखमिवतावसावसमं ॥ १ ॥ अथ तवजमयुचक्रद्वंम
दासधुलसुगयातयामि १ सिद्धासनमिक्तय दूतनुदति
अन्निमतसुखरुः लदायनी ॥ १ ॥ अथ यकपीतव दूद द्वि
वववदकाव अथमवृटविजित १ मदारमधुलसुगविमूग
यद्वं आलालिकद्विमयाद्विमिदि ॥ १ ॥ धर्मवज्रवक